

//1//

—: न्यायालय उपखण्ड अधिकारी नसीराबाद जिला अजमेर :-
पीठासीन अधिकारी :- देवीलाल यादव (आर.ए.एस.)
प्रकरण संख्या :- 183/2025

उनवान

1. जमना पत्नि छोटू
2. सदानंद पुत्र छोटू
3. हेमराज पुत्र छोटू जातिगण गुर्जर निवासी दिलवाडी नसीराबाद
—वादीगण :-जरियें अधिवक्ता श्री हीरालाल माली

बनाम

1. प्रभू पुत्र सुखा,
2. रामगोपाल पुत्र सुखा जतिगण गुर्जर निवासी दिलवाडी,
3. अशोक कुमार पुत्र रामकिशन जाति यादव निवासी जाटिया तह. व जिला अजमेर,
4. राजेन्द्र माली पुत्र ओम प्रकाश जाति माली निवासी बलवन्ता तह. व जिला अजमेर,
5. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार नसीराबाद
— प्रतिवादीगण :- 1 से 4 जरियें अधिवक्ता श्री आशीष अजमेरा
5 जरियें राज. पैरोकार

वाद पत्र अन्तर्गत धारा 88, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 व धारा 136 भू
राजस्व अधिनियम 1956

—: निर्णय :-

दिनांक :- 1.2.11.25

अधिवक्ता वादीगण ने उक्त वाद पेश कर निवेदन किया कि ग्राम दिलवाडी के खाता संख्या 40/32 किता 25 रकबा 4.45, 40/32 किता 22 रकबा 3.85 व खसरा नम्बर 599 रकबा 0.06 की आराजी वादीगण की पुश्तैनी खातेदारी की है। वादीगण के पिता को बोलचाल की भाषा में छोटू पुत्र माधू उर्फ मादू कहते थे जबकि उनका सही नाम छोटू पुत्र जयदेव है। वादीगण के दादा का नाम राजस्व अभिलेख में सहवन से छोठू पुत्र जयदेव के स्थान पर छोटू पुत्र माधू उर्फ मादू अंकित हो गया है, जिस कारण विरासत का नामान्तकरण दर्ज करवाने में परेशानी हो रहा है। प्रतिवादीगण सह. खातेदार होने के कारण प्रकरण में पक्षकार बनाया गया है। अन्य कोई अनुतोष उनके विरुद्ध नहीं चाहा गया है। अतः आराजी मूतनाजा पर वादीगण के पिता/दादा का नाम छोटू पुत्र जयदेव किया जावे।

वाद पत्र दर्ज रजिस्टर कर प्रतिवादीगण को जरियें नोटिस तलब किया गया। प्रतिवादी संख्या 1 से 4 ने इकबालिया जवाब पेश कर वाद के तथ्यों को स्वीकार किया। राज पैरोकार ने जवाब नहीं पेश करना जाहिर किया।

प्रकरण में खण्डन नहीं होने के कारण तनकी कायम नहीं की गयी।

अधिवक्ता वादीगण ने वाद के समर्थन में राजस्व अभिलेख व पहचान के दस्तावेज पेश किये तथा साक्ष्य नहीं पेश करना जाहिर किया।

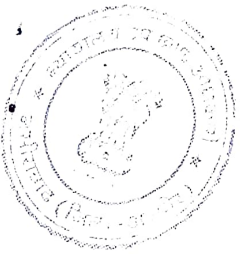
बहस उभयपक्ष सुनी गयी।



—2

उपखण्ड अधिकारी
नसीराबाद (अजमेर)

हरकेश
देवीलाल कुनिन्दा



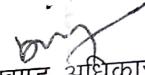
प्रमाणित छाया प्रतिलिपि

हरि-के-सहायक


उपखण्ड न्यायालय नसीराबाद
(अजमेर)

पत्रावली का अवलोकन किया। विद्वान अधिवक्तागण व राजपैरोकार की बहस पर मनन किया। ग्राम दिलवाडी के खाता संख्या 40/32 किता 25 रकबा 4.45, 40/32 किता 22 रकबा 3.85 व खसरा नम्बर 599 रकबा 0.06 की आराजी हाल राजस्व अभिलेख में छोटू पुत्र मादू उर्फ माधू व अन्य व्यक्तियों की सहखातेदारी में दर्ज है। वंकिंग जमाबंदी में भी वादीगण के पिता/दादा का नाम छोटू पुत्र मादू उर्फ माधू ही अंकित है। किन्तु तहसीलदार लाडपुरा जिला कोटा द्वारा प्रस्तुत मौका पर्चा व जाँच रिपोर्ट अनुसार छोटू के पिता का नाम जयदेव ही अंकित है। पत्रावली पर उपलब्ध मृत्यु प्रमाण पत्र शपथ पत्र आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, परिवार राशन कार्ड में भी वादीगण के पिता का नाम छोटू पुत्र जयदेव ही अंकित है। वादीगण कोटा के निवासी है। आराजी मुतनाजा नसीराबाद में स्थित है। वादीगण के दादा का नाम सहवन से माधू उर्फ मादू अंकित किया गया है। पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेज से वादीगण नाम दुरुस्त करने के अधिकारी है। प्रतिवादीगण ने वाद के तथ्यों को स्वीकार किया है। राज. पैरोकार ने वाद का खण्डन नहीं किया है। वादीगण के दादा का नाम दुरुस्त करने से राजहित प्रभावित नहीं होता है। वादीगण नाम दुरुस्त करवाने के अधिकारी है।

उक्तानुसार ग्राम दिलवाडी के खाता संख्या 40/32 किता 25 रकबा 4.45, 40/32 किता 22 रकबा 3.85 व खसरा नम्बर 599 रकबा 0.06 की आराजी पर वादीगण का वाद "स्वीकार" किया जाता है। तहसीलदार नसीराबाद उक्त आराजी पर छोटू पुत्र मादू उर्फ माधू का नाम छोटू पुत्र जयदेव अंकित करने की कार्यवाही करावे। पक्षकार खर्चा स्वयं वहन करे। इस आशय की पर्चा डिकी जारी हो। निर्णय सरे इजलास सुनाया गया।


उपखण्ड अधिकारी
नसीराबाद

प्रमाणित छाया प्रतिलिपि


उपखण्ड नसीराबाद
(जिला-अजमेर)

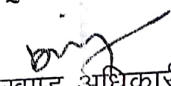


हरकार


मिलान कुनिन्वा

पत्रावली का अवलोकन किया। विद्वान अधिवक्तागण व राज. पैरोकार की बहस पर मनन किया। ग्राम दिलवाडी के खाता संख्या 40/32 कित्ता 25 रकबा 4.45, 40/32 कित्ता 22 रकबा 3.85 व खसरा नम्बर 599 रकबा 0.06 की आराजी हाल राजस्व अभिलेख में छोटू पुत्र मादू उर्फ माधू व अन्य व्यक्तियों की सहखातेदारी में दर्ज है। वंकिंग जमाबंदी में भी वादीगण के पिता/दादा का नाम छोटू पुत्र मादू उर्फ माधू ही अंकित है। किन्तु तहसीलदार लाडपुरा जिला कोटा द्वारा प्रस्तुत मौका पर्चा व जाँच रिपोर्ट अनुसार छोटू के पिता का नाम जयदेव ही अंकित है। पत्रावली पर उपलब्ध मृत्यु प्रमाण पत्र शपथ पत्र आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, परिवार राशन कार्ड में भी वादीगण के पिता का नाम छोटू पुत्र जयदेव ही अंकित है। वादीगण कोटा के निवासी है। आराजी मुतनाजा नसीराबाद में स्थित है। वादीगण के दादा का नाम सहवन से माधू उर्फ मादू अंकित किया गया है। पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेज से वादीगण नाम दुरुस्त करने के अधिकारी है। प्रतिवादीगण ने वाद के तथ्यों को स्वीकार किया हैं। राज. पैरोकार ने वाद का खण्डन नहीं किया है। वादीगण के दादा का नाम दुरुस्त करने से राजहित प्रभावित नहीं होता है। वादीगण नाम दुरुस्त करवाने के अधिकारी है।

उक्तानुसार ग्राम दिलवाडी के खाता संख्या 40/32 कित्ता 25 रकबा 4.45, 40/32 कित्ता 22 रकबा 3.85 व खसरा नम्बर 599 रकबा 0.06 की आराजी पर वादीगण का वाद "स्वीकार" किया जाता है। तहसीलदार नसीराबाद उक्त आराजी पर छोटू पुत्र मादू उर्फ माधू का नाम छोटू पुत्र जयदेव अंकित करने की कार्यवाही करावे। पक्षकार खर्चा स्वयं वहन करे। इस आशय की पर्चा डिकी जारी हो। निर्णय सरे इजलास सुनाया गया।


उपखण्ड अधिकारी
नसीराबाद

प्रमाणित छाया प्रतिनिधि


उपखण्ड कार्यालय नसीराबाद
(जिला-अजमेर)

हरसागर
मिलान कुनिन्दा

